आरती श्री गणेशजी की

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा ।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ।। जय..

एक दंत दयावंत, चार भुजाधारी ।
माथे पे सिन्दूर सोहे, मुसे की सवारी ।। जय..

अंधन को आंख देत, कोढ़िन को काया ।
बांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ।। जय..

पान चढ़ै, फूल चढ़ै और चढ़ै मेवा ।
लड्डुअन का भोग लागे, संत करें सेवा ।। जय..

दीनन की लाज राखो शम्भु सुतवारी ।
कामना को पूरा करो जग बलिहारी ।। जय..

।। श्री गणेश वन्दना ।।

वर्णानामर्थसंघानां रसानां छन्दसामपि ।
मंगलानां च कर्तारौ वन्दे वाणीविनायकौ ।।

गजाननं भूतगणादिसेवितं कपित्थजम्बू फल चारु भक्षणम् ।
उमासुतं शोकविनाशकारकं नमामि विघ्नेश्वर पादपंकजम् ।।

विवरण

देव गणेश जी की जय हो । जिनकी माता पार्वती हैं, तथा पिता शंकर जी हैं, ऐसे गणेश जी की जय हो । जो एक दाँत वाले हैं, जो दया के सागर हैं, जिनकी चार भुजाएँ हैं, एवं जिनके माथे पर तिलक शोभायमान हो रहा है, और जिनकी सवारी चूहा है, ऐसे गणेश भगवान

की जय हो ।

जो अँधों को आँख देते है, अर्थात (जो अज्ञानता रूपी अन्धकार में डूबे हुए हैं ,उन्हे ज्ञान प्रदान करते हैं), कोढ़ी को काया देते हैं, बाँझ को पुत्र देते हैं, एवं निर्धन को माया देते हैं, ऐसे गणेश भगवान की जय हो । गणेश भगवान की आराधना में पान चढ़ता है, फूल चढ़ता है, मेवा चढ़ता है तथा लड्डुओं के भोग लगते हैं, और संत जन जिनकी सेवा करते हैं, ऐसे गणेश भगवान की जय हो ।

हम गरीबों की लाज रखिएगा । हे शंकर पुत्र, हम आप पर बलिहारी जातें हैं । हमारी कामना को पूरा कीजिएगा । यह पूरा जग आपके इन सद्गुणों के कारण ही आप पर बलिहारी जाता है । ऐसे गणेश जी की जय हो ।

श्री गणेश वन्दना

जो वर्ण, नाम, अर्थ, संघ, रस एवं छन्द इन सबों के जो ऊपर हैं, ऐसे मंगल करने वाले वाणी विनायक की हम वन्दना करतें हैं ।

गज जैसा जिनका मुख है, देवताओं के रक्षक जिनकी सेवा में लगे रहते हैं, जो चार फलों की भक्षण करते हैं, माता पार्वती के पुत्र हैं, शोक का विनाश करने वाले हैं, ऐसे विघ्ननाशक गणेश भगवान के कर कमलों में मेरा प्रणाम है ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.